बी0ए0 (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

Code HPI-S301 **शास्त्रार्थ– सिद्धान्त एवं परम्परा**

समयः 3 घण्टे

पूर्णांकः 100+50 = 150

प्रथम इकाई– अर्थ एवं महत्त्व, शास्त्रार्थ का मूल उद्देश्य एवं शास्त्रार्थ की प्रमुख रूप– लिखित एवं मौखिक। शास्त्रार्थ के मुख्य पक्ष– पूर्व पक्ष, उत्तर पक्ष। वादी, प्रतिवादी एवं निर्णायक ।

द्वितीय इकाई– शास्त्रार्थ के प्रमुख तत्त्व –

1. तिस्रः कथा– वाद, जल्प एवं वितण्डा।
2. प्रमाण– प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द ।
3. तर्क ।

तृतीय इकाई– शास्त्रार्थ के प्रमुख उद्देश्य –

1. शास्त्र की विषय–वस्तु का स्पष्टीकरण ।
2. तत्त्वबोध ।
3. सत्य–असत्य और उचित–अनुचित का निर्णय ।
4. दार्शनिक, धार्मिक एवं सामाजिक सुधार का साधन।

चतुर्थ इकाई– अन्य विधियों से तुलना –

द्वन्द्व विधि, पैरोस्त्रोइका एवं सत्याग्रह।

पंचम इकाई– शास्त्रार्थ परम्परा –

1. प्राचीन भारतीय युग– उपनिषद् एवं सूत्र ग्रंथ।
2. मध्यकालीन– आ0 शंकर एवं कुमारिल भट्ट ।
3. आधुनिक काल– स्वामी दयानन्द एवं उनके अनुयायी ।

Shastrartha: Theory and Tradition

Unit 1 :- Meaning and importance of Shastrartha,Ultimate Gole of Shastrartha and Tradition of Shastrartha, Main type - written and verbal, Main aspects of Shastrartha-Purvpaksha, Uttarpaksha. Vadi, Prativadi and Judge/Decision Maker.

Unit 2 : Main Elements of Shastrartha-

1. Tisrah Katha- Vada, Jalp and Vitanda.
2. Pramanas- Pratyaksha, Anumana, Upamana and Shabda.
3. Tarka

Unit-3 : Main Purposes of Shastrartha-

1. Clarification of the subject matter of Shastra.
2. Knowledge of reality .
3. The Judgement of Truth-False and Right-wrong.
4. The mean of philosophical, religious and social reformation.

Unit- 4 : Comparison to other philosophical methods-

Dialectic method, Perestroika and satyagraha.

Unit- 5: Tradition of Shastrartha-

1. Ancient Indian age- Upnishada and Sutra-Grantha
2. Middle Period- A.Shankar and Kumaril Bhatta
3. Modern Period- Swami Dayananda and his followers.

सन्दर्भ एवं सहायक ग्रन्थ सूची :–

1.शास्त्री आ0 उदयवीर –न्याय दर्शनम्
2.एस0 राधाकृष्णन्–भारतीय दर्शन
3.मिखाइल, गोर्बाच्येव–पेरेस्त्रोइका
4.विद्यालंकार, सत्यकेतु–आर्य समाज का इतिहास
5.भारतीय, भवानीलाल– नवजागरण के पुरोधा
6.आर्य,डॉ0 सोहनपाल सिंह– कार्ल मार्क्स और ऋषि दयानन्द का समाज दर्शन– तुलनात्मक अध्ययन।
7.उपनिषद् अंक–कल्याण विशेषांक–गीता प्रेस गोरखपुर।